**Osternacht C im Pastoralverbund Iserlohn**

1. Lichtfeier

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Segnung | des Feuers und Bereitung der Osterkerze |  |  |
| Einzug | Lumen Christi | 312. 1 | 3x, jeweils höher |
| Exsultet | **KURZFASSUNG** |  | Gesungen von Priester/Diakon |

2. Wortgottesdienst

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Lesung | Gen 1, 1.26-31a |  |  |
| Antwortgesang | Sende aus deinen Geist | 312. 2 |  |
| Gebet |  |  |  |
| Lesung | Ex 14,15-15,1 |  |  |
| Antwortgesang | Danket Gott, denn er ist gut | 402. 1,6-9 |  |
| Lesung | Jes 55, 1-11 |  |  |
| Antwortgesang | Freudig lasst uns schöpfen | 312. 6 |  |
| Gebet |  |  |  |
| Lesung | Ez 36, 16-17a, 18-28 |  |  |
| Antwortgesang | Wie der Hirsch verlangt | 312,8 |  |
| Gebet |  |  |  |
| Gloria | Lobsing´erlöste Christenschar | 758 |  |
| Epistel | Röm 6, 3-11 |  |  |
| Halleluja |  | 312. 9 | V/A, 3x |
| Evangelium | Lk 24, 1-12 |  |  |
| Credo | Wahrer Gott wir glauben Dir | 760 |  |

3. Eucharistiefeier

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Gabenbereitung | Halleluja lasst uns singen | 754 |  |
| Sanctus | Heilig, Herrgott | 380.3 |  |
| Agnus Dei | Ist das der Leib | 331 1.2 |  |
| Kommunion | Orgelspiel |  |  |
| Dank | Das Grab ist leer | 752 |  |
| Schluss | Freu dich, o Himmelskönigin | 525 |  |